बहमनी साम्राज्य

1347

हसन गंगू

अलाऊद्दीन हसन बहमन शाह

महम्मद
बिन तगलक
क सेनापति

गुलबर्गा
७
अहसानाबाद

बहमन शाह के कार्य

समाज विभाजन

4 प्रांत

बरार

दौलताबाद

गुलबर्गा

बीदर

जजीया समाप्त करना

ब्राह्मणों को आश्रय

दाबूल बंदरगाह पर अधिकार

मुहम्मद शाह प्रथम
1358-97 ई

विजयनगर की विजय

पहली बार द. भारत में युद्धों में बारूद का प्रयोग

ताजुद्दीन फिरोजशाह 1397-1422 ई

हिंदुओं को प्रशासन में शामिल करना

ब्राह्मणों को प्रोत्साहन

दौलताबाद में वेधशाला स्थापित

एशियाई देशों से लोगों को आमंत्रित करना

भीमा नदी किनारे फिरोजाबाद नगर स्थापित

शिहाबूदीन अहमन प्रथम 1422-46 ई

राजधानी: बीदर

मुहम्मदाबाद नाम दिया

राजदरबार का विभाजन

दक्कनी-अफ्फाकी

अलाऊदीन अहमद द्वितीय

1436-58 ई

महमूद गंवां का उत्कर्ष

प्रधानमंत्री पद दिया

गजपति राज्य से युद्ध

बीदर: अस्पताल निर्माण

हुमायूँ

1458-63 ई

दक्कन का नीरो

आलसी-लापरवाह

महमूद गंवा
प्रधानमंत्री

प्रशासनिक परिषद
का निर्माण

महमूद गंवां प्रधानमंत्री के रूप में

साम्राज्य का पुनर्गठन

8 प्रांत: गाविल, माहुर, बीजापुर, वारंगल, गुलबर्गा, राजमुन्द्री, दौलताबाद, जुन्नार

भूमि व्यवस्था में सुधार

पैमाइश

कर व्यवस्था

1482:गवां को फांसी

शिहाबूदीन महमूदशाह
1482-1518 ई

विद्रोहों का आरंभ

नए राज्यों की स्थापना

बीदर, बरार, अहमदनगर
गोलकुंडा, बीजापुर

15 वीं शताब्दी तक बहमनी साम्राज्य समाप्त

प्रशासन

केन्द्रीय प्रशासन

राजा-सुल्तान

ब्राह्मणों. अफ़्रीकीयों. इरानियों को आश्रय

वकील-प्रधानमंत्री

आमिर-उल-जमला:

वित्त मंत्री

प्रांतीय

तर्फ-तरफ

गुलबर्गा,दौलताबाद

प्रमुख तरफ

सबेदार-तरफदार:
प्रांत का मख्य
शाही वंश से संबंधित

जिला

सरकार:जिला

गाँव में पंचायत

प्रमुख संस्था

देशमख-देसाई

स्थानीय

अधिकारी

जागीरदारी व्यवस्था

नगद वेतन के बदले भूमि देना

नायक

कर देना. सेना रखना कार्य

सैनिक प्रबंध

5 भाग: पैदल, हाथी, घुड़सवार,जल सेना, तीरंदाजी